पुण्यतीर्थः एक काल कथा

युवक बिरादरी (भारत) द्वारा प्रस्तुत नृत्य - नाटिका

पूर्वरंग : हिन्द महासागर के लहराते तट से लेकर हिमालय के दमकते शिखरों तक और बाड़मेर के रेगिस्तान से लेकर ब्रह्मपुत्र के उपजाऊ क्षेत्र तक फैला हमारा विशाल भारत देश...

अनेक धर्मों, भाषाओं, वेशभूषाओंवाला, रंग-बिरंगे छटाओंवाला भारत देश .... अपनी गौरवशाली अस्मिता को जगानेवाला भारत देश..... क्या नहीं झेला इसने ?

परकीय आक्रमण, सर्वभक्षी दमन सांस्कृतिक संकट और साम्राज्यवादी शोषण... परंतु इस धरती की तासीर कि यह झुका पर, टूटा नहीं, गिरा पर, लेटा नहीं, तनकर उठा खड़ा हुआ और चल पड़ा... कहाँ से पाई उसने वटवृक्ष जैसी अनिरूद्ध जीवनी-शक्ति जो भस्म के ढ़ेर को हर बार भव्य मूर्ति में बदलती रही ? कहाँ से निकला आत्मविश्वास का निर्झर जो हर प्रतिकूलता को अनुकूलता में परिणत करता रहा ? कौन थे वे मनस्वी तपस्वी, चिन्तक विचारक जिन्होंने कोटि-कोटि जनसमुदायोंकी सालती व्यथा को मानवीय धरातल पर समझा और अपनी वाणी तथा कृतित्व से भारत की आत्मा को विवेकशील प्रेरक शक्ति दी ?

आज जब सामाजिक- सांस्कृतिक विघटन के काले मेघ घिरते जा रहे हैं, आवश्यकता है उन तत्वों और मूल्यों के दुबारा तलाश की, अपनी महिमाशाली विरासत के पहचान की और कर्तव्य-मार्गों के नये सिरे से निर्माण की जो हर युग में हर प्रदेश में इस देश के महामानवों द्वारा सुनिश्चित किए गए थे. उस संकल्प की जो वेदकाल से गांधीयुग तक बराबर किया जाता रहा, व्यवहार में लाया गया और जीवन को आलोकित

करता गया....

यह आयोजन एक नृत्य-संगीतानुगामी तीर्थयात्रा है उन क्षेत्रों की जो युग युगान्तर से जनमानस की प्रेरणा के बीज बन रहे हैं... उन मूल्यों की और प्रवृत्तियों की जो संकट के क्षणों में उभरी हैं और सूर्योन्मुख दिशा-दर्शन कराती रही हैं.... मूल्यांकन है उन कृतिशील आत्माओं का जिन्होंने व्यवहार के मानदंड स्थापित किए हैं.....

युवक बिरादरी की प्रस्तुति निश्चय ही युवा - जनोंकी आस्था, लगन और उत्साह को जगाकर उनकी कर्मशीलता का आवाहन करेगी ।

YUVAK BIRADARI (BHARAT)
Hazarimal Somani Marg, Fort, Mumbai - 400 001.
Website : www.biradari.org | Email : info@biradari.org | : +91 93211 27071